संविदा शाला शिक्षक श्रेणी–2 पात्रता परीक्षा 2011 हेतु
परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम (पुनरीक्षित 26.11.11)

परीक्षा योजना (Scheme of Exam)

1. पात्रता परीक्षा हेतु 150 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा। परीक्षा की अवधि 2:30 घंटे होगी।
2. प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होगा।
3. पात्रता परीक्षा के सभी प्रश्न बहुविकल्पीय (MCQ) प्रकार के होंगे, जिनके चार विकल्प होंगे और एक विकल्प सही होगा।
4. परीक्षा की संरचना एवं विषयवस्तु (Structure and Content) निम्नानुसार होगी–

भाग	विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
(i)	बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र (Child Development & Pedagogy)- Compulsory	30 MCQ	30 Marks
(ii)	भाषा–1 (Language-I) (हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत या उर्दू में से कोई एक भाषा) {Any one language from Hindi. English] Sanskrit or Urdu} - Compulsory	30 MCQ	30 Marks
(iii)	भाषा–2 (Language-II) (हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत या उर्दू में से कोई एक भाषा) {Any one language from Hindi. English] Sanskrit or Urdu} - Compulsory	30 MCQ	30 Marks
(iv)	(अ) गणित (Mathematics)- गणित शिक्षक के लिए (For Mathematics Teacher)	60 MCQ	60 Marks
	(ब) विज्ञान (Science)- विज्ञान शिक्षक के लिए (For Science Teacher)	60 MCQ	60 Marks
	(स) सामाजिक विज्ञान (Social Science)- सामाजिक विज्ञान शिक्षक के लिए (For Social Science Teacher)	60 MCQ	60 Marks
	(द) मुख्य भाषा (हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत या उर्दू में से कोई एक भाषा) {Any one language from Hindi. English] Sanskrit or Urdu}- भाषा शिक्षक के लिए (For Language Teacher)	60 MCQ	60 Marks

5. प्रश्नों की प्रकृति एवं स्तर (Nature and Standard of Questions) निम्नानुसार होगा–

   (i) बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र के प्रश्न 11–14 वर्ष आयु समूह के शिक्षण एवं सीखने के शैक्षिक मनोविज्ञान पर आधारित होंगे, जो विशिष्टताओं की समझ, आवश्यकता, विभिन्न प्रकार के शिक्षार्थियों का मनोविज्ञान, शिक्षार्थी के साथ संवाद और सिखाने हेतु अच्छे फेसिलिटेटर की विशेषताएं एवं गुणों पर आधारित होंगे।

   (ii) भाषा–1 के प्रश्न आवेदन पत्र में चुनी गई भाषा के माध्यम में प्रवाहिता (Proficiency) पर आधारित होंगे।

   (iii) भाषा–2, भाषा–1 से पृथक होगी। आवेदक आवेदन पत्र में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत व उर्दू में से कोई भी भाषा चुन सकेंगे और आवेदन पत्र में चुनी गई भाषा के प्रश्न ही हल

कर सकेंगे। भाषा–2 के प्रश्न भाषा के तत्व, संप्रेषण और समझने की क्षमताओं पर आधारित होंगे।

(iv) गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं मुख्य भाषा विषय के प्रश्न विषय की अवधारणा, समस्या समाधान और पेडागाजी की समझ पर आधारित होंगे।

6. प्रश्नपत्र में प्रश्न म.प्र. राज्य के कक्षा–6 से 8 एवं कक्षा–9 व 10 के प्रचलित पाठ्यक्रम/पाठ्यपुस्तकों के टॉपिक्स पर आधारित होंगे, लेकिन इनका कठिनाई स्तर एवं सम्बद्धता हायरसकेण्डरी स्तर तक की हो सकती है। (भाषा–1 व भाषा–2 का पाठ्यक्रम कक्षा–6 से 10 स्तर का तथा मुख्य भाषा का पाठ्यक्रम हायरसेकेण्डरी स्तर का होगा।)
7. उक्त का विस्तृत पाठ्यक्रम आगे दिया गया है–

विस्तृत पाठ्यक्रम

बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र (Child Development & Pedagogy)	30 प्रश्न

(स) बाल विकास — 15 प्रश्न

- बाल विकास की अवधारणा एवं इसका अधिगम से संबंध ।
- विकास और विकास को प्रभावित करने वाले कारक ।
- बाल विकास के सिद्धांत।
- बालकों का मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार संबंधी समस्याएं।
- वंशानुक्रम एवं वातावरण का प्रभाव।
- समाजीकरण प्रक्रियाएंः सामाजिक जगत एवं बच्चे (शिक्षक, अभिभावक, साथी)
- पियाजे, पावलव, कोहलर और थार्नडाइकः रचना एवं आलोचनात्मक स्वरूप।
- बाल केन्द्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा ।
- बुद्धि की रचना का आलोचनात्मक स्वरूप और उसका मापन, बहुआयामी बुद्धि।
- व्यक्तित्व और उसका मापन।
- भाषा और विचार।
- सामाजिक निर्माण के रूप में जेंडर, जेंडर की भूमिका, लिंगभेद और शैक्षिक प्रथाएं।
- अधिगम कर्त्ताओं में व्यक्तिगत भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, संप्रदाय, धर्म आदि की विषमताओं पर आधारित भिन्नताओं की समझ।
- अधिगम के लिए आंकलन और अधिगम का आंकलन में अंतर, शाला आधारित आंकलन, सतत एवं समग्र मूल्यांकनः स्वरूप और प्रथाएं (मान्यताएं)
- अधिगमकर्त्ताओं की तैयारी के स्तर के आंकलन हेतु उपयुक्त प्रश्नों का निर्माण, कक्षाकक्ष में अधिगम को बढ़ाने आलोचनात्मक चिंतन तथा अधिगम कर्त्ता की उपलब्धि के आंकलन के लिए।

(ब) समावेशित शिक्षा की अवधारणा एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समझ — 5 प्रश्न

- अलाभान्वित, एवं वंचित वर्गों सहित विविध पृष्ठभूमियों के अधिगमकर्त्ताओं की पहचान ।
- अधिगम कठिनाइयों, 'क्षति' आदि से ग्रस्त बच्चों की आवश्यकताओं की पहचान।
- प्रतिभावान, सृजनात्मक, विशेष क्षमता वाले अधिगतकर्त्ताओं की पहचान।
- समस्याग्रस्त बालकः पहचान एवं निदानात्मक पक्ष।
- बाल अपराधः कारण एवं प्रकार

(स) अधिगम और शिक्षा शास्त्र (पेडागाजी)	10 प्रश्न

- बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, बच्चे शाला प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में क्यों और कैसे असफल होते हैं।
- शिक्षण और अधिगम की मूलभूत प्रक्रियाएं, बच्चों के अधिगम की रणनीतियॉ, अधिगम एक सामाजिक प्रक्रिया के रूप में, अधिगम का सामाजिक संदर्भ।
- समस्या समाधानकर्त्ता और वैज्ञानिक– अन्वेषक के रूप में बच्चा ।
- बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक धारणाएं, बच्चों की त्रुटियों को अधिगम प्रक्रिया में सार्थक कड़ी के रूप में समझना। अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकः अवधान और रूचि।
- संज्ञान और संवेग
- अभिप्रेरणा और अधिगम
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक– व्यक्तिगत और पर्यावरणीय
- निर्देशन एवं परामर्श
- अभिक्षमता और उसका मापन
- स्मृति और विस्मृति

हिन्दी भाषा (Hindi Language)	30 प्रश्न

भाषायी समझ/अवबोध –

भाषायी समझ/अवबोध के लिए दो अपठित दिए जाएँ जिसमें एक गद्यांश (नाटक/ एकांकी/ घटना/ निबंध/ कहानी/ आदि से) तथा दूसरा अपठित पद्य के रूप में हो इस अपठित में से समझ/अवबोध, व्याख्या, व्याकरण एवं मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न किए जाएं। गद्यांश साहित्यिक/वैज्ञानिक/सामाजिक समरसता/तात्कालिक घटनाओं पर आधारित हो सकते हैं।

अंग्रेजी भाषा (English Language)	30 प्रश्न

1. Reading Comprehension
   - Two short passages followed by objective answer type questions.
2. Vocabulary

   (Level-X standard)
   - One word substitution
   - Opposites
   - Synonyms
   - phrases
   - idioms/proverbs
3. Functional Grammar:

   (Level-X standard)

1. Articles
2. Modals
3. Determiners
4. Noun/ Pronoun
5. Adjective/Adverb
6. Narration
7. Prepositions
8. Tenses
9. Transformation of sentences
10. Voices

संस्कृत भाषा (Sanskrit Language)	30 प्रश्न

भाषायी समझ/अवबोध–

भाषायी समझ/अवबोध के लिए दो अपठित दिए जाएँ जिसमें एक गद्यांश (नाट्यांश/घटना/निबंध/कथा आदि से) तथा दूसरा अपठित पद्य के रूप में हो इस अपठित में से समझ/अवबोध, व्याख्या, व्याकरण एवं मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न किए जाएँ। गद्यांश साहित्यिक/वैज्ञानिक/सामाजिक समरसता/तात्कालिक घटनाओं पर आधारित हो सकते हैं।

उर्दू भाषा (Urdu Language)	30 प्रश्न

जबान की फ़हम पर पर मबनी सवालात (भाषायी समझ)

गैर दरसी इकतिबासात (मालूमाती/अदबी/बयानिया/ड्रामा/साइंसी) पर जबान की सलाहियत पर मबनी सवालात, कवायद (ग्रामर) और ज़ुबानी इज़हार की काबलियत पर मबनी सवालात पूछे जाएं।

गणित (Mathematics)	60 प्रश्न

(अ) विषयवस्तु (Content)	45 प्रश्न

1.संख्या पद्धति–

- प्राकृत संख्या, पूर्ण संख्या एवं पूर्णांक की पहचान एवं समझ
- परिमेय संख्या की समझ एवं इन पर संक्रियाएँ
- घातांक एवं परिमेय घातांको के लिए घातांक के नियमों का अनुप्रयोग
- बहुपद एवं परिमेय व्यंजक

2.बीजगणित–

- बीजीय व्यंजक एवं इन पर संक्रियाएँ
- अनुपात समानुपात, एकिक नियम, प्रतिशत, अनुक्रमानुपाती तथा व्युत्क्रमानुपाती विचरण, चक्रवृद्धि ब्याज
- अनुपात समानुपात, किस्त, लघुगणक
- एक चर राशि का एक घातीय समीकरण
- दो चर राशियों का रैखिक समीकरण

3.ज्यामिति–

- मूल ज्यामितीय अवधारणाएँ
- त्रिभुज के गुणधर्म
- कोण
- सममिति की अवधारणा
- वृत्त
- समरूप त्रिभुज

4.रचनाएँ–

- त्रिभुज की रचना
- चतुर्भुज की रचना

5.क्षेत्रमिति–

- आयाताकार पथ का क्षेत्रफल
- पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन
- वृत्त का क्षेत्रफल

6.सांख्यिकी–

- दण्ड आलेख
- आयात चित्र
- माध्य, माध्यिका, बहुलक की गणना
- आवृत्ति, संचयी आवृत्ति, वृत्त चित्र, आवृत्ति बहुभुज खीचना

(ब) Pedagogical issues	15 प्रश्न

- गणित शिक्षण द्वारा चिंतन एवं तर्कशक्ति का विकास
- पाठ्यक्रम में गणित का स्थान
- गणित की भाषा
- प्रभावी शिक्षण हेतु परिवेश आधारित उपयुक्त शैक्षणिक सहायक सामग्री का निर्माण एवं उसका उपयोग करने की क्षमता का विकास करना।
- मूल्यांकन की नवीन विधियों तथा निदानात्मक परीक्षण एवं पुनःशिक्षण की क्षमता का विकास।

विज्ञान (Science)	60 प्रश्न

(अ) विषयवस्तु (Content)	45 प्रश्न

1. ब्रह्माण्ड
2. मापन– समय, ताप, लम्बाई, क्षेत्रफल, आयतन, द्रव्यमान का मापन।
3. पदार्थ– पदार्थ की अवस्थाएँ, पदार्थ के गुण, पदार्थो की पृथक्करण की विधियाँ, धातु–अधातु, अणु–परमाणु, तत्व, यौगिक और मिश्रण, रासायनिक संकेत, सूत्र एवं समीकरण, अम्ल, क्षार, लवण एवं उनके गुण
4. भोजन एवं स्वास्थ्य– भोजन के स्त्रोत, भोजन के घटक, भोज्य पदार्थो का संरक्षण, भोजन एवं स्वास्थ्य
5. सजीव जगत – वर्गीकरण, संरचना, जैविक प्रक्रियाएँ, अनुकूलन, जैव उत्पत्ति
6. बल, गति एवं दाब
7. कार्य ऊर्जा और मशीन
8. ताप एवं उष्मा
9. हमारे आसपास का वातावरण– भौतिक और रासायनिक परिवर्तन, कार्बन–अपररूप, हाइड्रोकार्बन
10. प्राकृतिक घटनाएँ– प्रकाश, ध्वनि
11. वस्तुएँ कैसे काम करती हैं– चुम्बक, विद्युत एवं विद्युत धारा
12. प्राकृतिक संसाधन
13. खाद्य उत्पादन और प्रबंधन
14. पर्यावरण

(ब) Pedagogical issues	15 प्रश्न

- विज्ञान के उद्देश्य
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।
- महत्वपूर्ण वैज्ञानिक तथ्यों और सिद्धान्तों से अवगत कराना।
- विज्ञान संबंधी विभिन्न कौशलों का विकास करना।
- अवलोकन, प्रयोग करना, खोज।
- विज्ञान विषय संबंधी नवीनतम जानकारी प्रदान करना।
- प्रभावी शिक्षण हेतु परिवेश आधारित उपयुक्त शैक्षणिक सहायक सामग्री का निर्माण एवं उसका उपयोग करने की क्षमता का विकास करना।
- मूल्यांकन की नवीन विधियों तथा निदानात्क परीक्षण एवं पुनः शिक्षण की क्षमता का विकास।

सामाजिक विज्ञान (Social Science)	60 प्रश्न

(अ) विषयवस्तु	45 प्रश्न

इतिहास–

- इतिहास जानने के स्त्रोत, आदिमानव का विकास व पाषाणकाल, हड़प्पा व वैदिककालीन सभ्यता, जैन व बौद्व धर्म, मौर्य, गुप्त व हर्षकाल, विदेशों से सम्पर्क व भारत के संबंध तथा सामाजिक व आर्थिक जीवन पर उसका प्रभाव।
- मध्यकाल का प्रारम्भ व इतिहास जानने के स्त्रोत, मोहम्मद गौरी व मुहम्मद गजनवी के आक्रमण, दिल्ली सल्तनत– खिलजी वंश, तुगलक वंश व लोदी वंश के संदर्भ में, सल्तनतकालीन सामाजिक, धार्मिक व आर्थिक स्थिति। मुगलकाल का संक्षिप्त परिचय (प्रमुख शासक, सामाजिक,आर्थिक व धार्मिक जीवन तथा संगीत,चित्रकला व वास्तुकला) मुगलकाल का पतन।विजयनगर एवं बहमनी साम्राज्य।मराठा व सिक्ख शक्ति का उदय ।
- भारत में यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों का आगमन, सत्ता के लिए उनके आपसी संघर्ष। ब्रिटिश कम्पनी की सफलता व साम्राज्य विस्तार, 1857 का स्वतंत्रता संग्राम। धार्मिक–सामाजिक पुनर्जागरण। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, उद्देश्य संघर्ष व महत्व, उदारवाद एवं अनुदारवाद, राष्ट्रीय आन्दोलन – असहयोग, सविनय अवज्ञा, भारत छोड़ो आन्दोलन। राष्ट्रीय आन्दोलन में क्रांतिकारियों का योगदान। स्वतंत्रता प्राप्ति एवं विभाजन। स्वतंत्रता आन्दोलन में म.प्र. का योगदान।
- स्वातंत्रोतर भारत की प्रमुख घटनाएं– कश्मीर समस्या, 1962 का चीन युद्व, 1965 एवं 1971 का भारत पाक युद्व, भारत में आपातकाल, भारत का आण्विक शक्ति के रूप में उदय।

नागरिक शास्त्र–

- परिवार, समाज, समुदाय, राष्ट्रीय प्रतीक, स्थानीय स्वशासन (ग्रामीण व नगरीय संस्थाएं)
- भारतीय संविधान– विशेषताएॅं, नागरिक के मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्य, बाल एवं मानव अधिकार, मानव अधिकार आयोग। संघीय व्यवस्थापिका – लोक सभा, राज्य सभा, संघीय कार्यपालिका– राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मंत्रि परिषद। सर्वोच्च व उच्च न्यायालय – गठन, शक्तियाँ, कार्य। राज्य सरकार, राज्यपाल एवं राज्य मंत्रिपरिषद। निर्वाचन आयोग– कार्य एवं शक्तियाँ, निर्वाचन की प्रक्रिया।
- प्रजातंत्र– कार्यप्रणाली, प्रजातंत्र में राजनीतिक दलों का महत्व और कार्य।
- प्रजातंत्र की प्रमुख चुनौतियां– निरक्षरता, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद, बेरोजगारी, आतंकवाद, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, संवैधानिक संरक्षण।
- भारत की विदेश नीति व पड़ोसी देशों से संबंध, संयुक्त राष्ट्र और भारत का योगदान।

भूगोल–

- सौरमंडल, अंक्षाश व देशान्तर रेखाएं, ग्लोब व मानचित्र ।
- स्थलमंडल – पृथ्वी की गतियां, ऋतु परिवर्तन, परिवर्तनकारी बाह्य व आन्तरिक शक्तियां व उनके कार्य। मृदा संरक्षण ।

- वायुमंडल– वायुमंडल का संगठन, वायुदाब।
- जलमंडल – लहरें, धाराएं, ज्वार–भाटा, वर्षा। प्रमुख महासागर।
- भारत– स्थिति विस्तार, भौतिक संरचना, जलवायु, मृदा, प्राकृतिक वनस्पति, जीवजन्तु, खनिज एवं उद्योग,शक्ति संसाधन, प्रमुख फसलें, परिवहन के साधन, जनसंख्या व उसका वितरण।
- समस्त महाद्वीप– अक्षांशीय व देशान्तरीय विस्तार, धरातलीय संरचना, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, जीवजन्तु, खनिज एवं उद्योग, शक्ति संसाधन, प्रमुख फसलें, परिवहन के साधन,प्रमुख देश।
- पर्यावरण– प्रदूषण के कारण व उपाय, औद्योगिक अपशिष्ट व उसका प्रबंधन, आपदा प्रबंधन।

अर्थशास्त्र–

- आर्थिक विकास, भारत के समक्ष आर्थिक चुनौतियॉ, आर्थिक प्रणाली एवं वैश्वीकरण। मुद्रा एवं वित्तीय प्रणाली ।
- पंचवर्षीय योजनाऍ एवं भारत का कृषि विकास। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, खाद्यान्न सुरक्षा सेवा क्षेत्र, उपभोक्ता संरक्षण।

(ब) शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे–	15 प्रश्न

- सामाजिक विज्ञान की प्रकृति एवं अवधारणा।
- कक्षागत प्रक्रियाऍ ,गतिविधियॉ एवं परिचर्चा।
- विवेचनात्मक चिंतन प्रक्रिया का विकास।
- पूछताछ/आनुभविक साक्ष्य
- सामाजिक विज्ञान शिक्षण की समस्याएं।
- प्राथमिक एवं द्वितीयक संसाधन।
- परियोजना कार्य ।
- मूल्याकंन।

मुख्य भाषा– हिन्दी (Hindi)	60 प्रश्न

(अ) भाषायी समझ/अवबोध –	45 प्रश्न

1. वाक्य बोध/भाषा बोध–
    - विराम चिह्न और उनका अनुप्रयोग
    - वाक्य रचना– शुद्ध वाक्य रचना, वाक्य परिवर्तन, वाक्य के प्रकार (रचना, अर्थ, वाच्य के आधार पर), वाक्य बोध।
    - मुहावरे, लोकोक्तियां और उनका वाक्यों में प्रयोग
    - बोली, विभाषा, मातृभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा
2. काव्य बोध–
    - काव्य परिभाषा, काव्य भेद (प्रबंधकाव्य, मुक्तककाव्य), काव्य गुण
    - शब्द शक्ति

- छंद– मात्रिक छंद, वर्णिक छंद, कुण्डलिया, घनाक्षरी, मन्दाक्रांता, छप्पय, कवित्त, सवैया (मत्तगयंद, दुर्मिल)
- अलंकार– यमक, श्लेष, ब्याजस्तुति, ब्याजनिन्दा, विभावना, विशेषोक्ति, भ्रांतिमान, संदेह, विरोधाभास, अपहुती।
- रस परिचय, अंग, रसभेद।

3. अपठित बोध–
   - गद्यांश/पद्यांश (शीर्षक, व्याख्या, सारांश)
4. हिन्दी साहित्य–
   - हिन्दी काव्य (पद्य) और उसका विकास

   –पद्य साहित्य का विकास– आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल का सामान्य परिचय सहित कवियों का साहित्यिक परिचय (रचनाएं, काव्यगत विशेषताएं, भावपक्ष, कलापक्ष)

   –आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियां– छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नईकविता का सामान्य परिचय सहित कवियों का साहित्यिक परिचय (रचनाएं, काव्यगत विशेषताएं, भावपक्ष, कलापक्ष)
5. हिन्दी गद्य और उसका विकास–
   - गद्य साहित्य की विविध विधाएं (निबंध, नाटक, कहानी) और उनका सामान्य परिचय
   - लेखक परिचय (रचनाएं, भाषाशैली)

(ब) भाषायी विकास हेतु निर्धारित शिक्षा शास्त्र –	15 प्रश्न

- भाषा सीखना और ग्रहणशीलता
- भाषा शिक्षण के सिद्धान्त
- भाषा शिक्षण में सुनने, बोलने की भूमिका, भाषा के कार्य, बच्चे भाषा का प्रयोग कैसे करते हैं
- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति अन्तर्गत भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका
- भाषा शिक्षण में विभिन्न स्तरों के बच्चों की चुनौतियॉ, कठिनाइयां, त्रुटियां एवं क्रमबद्धता
- भाषा के चारों कौशल (सुनना, बोलना, पढ.ना, लिखना) का मूल्यांकन
- कक्षा में शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठ्यपुस्तक, दूरसंचार (दृश्य एवं श्रव्य) सामग्री, बहुकक्षा स्रोत
- पुनः शिक्षण

Main Language– अंग्रेजी (English)	60 प्रश्न

A) Understanding of Language :	45 questions

1. Reading Comprehension
   - Two passages (Factual+ Literary/Discursive) of 200 words each followed by objective answer type questions.
   - A poem of about 15 lines followed by objective questions related to figures of speech, forms of poetry.
   - Interpret tabular and diagrammatic presentation of information.
2. Vocabulary
   - One word substitution
   - Opposites
   - Synonyms

- phrases
- idioms/proverbs
- word formation

3. Functional Grammar:
   1. Tenses
   2. Modals
   3. Determiners
   4. Articles
   5. Voices
   6. Narration
   7. Prepositions
   8. Clauses
   9. Transformation of sentences

B) Pedagogy of Language Development	15 questions

B.1 – Learning and acquisition
- Need for Learning English
- Objectives of teaching English
- Qualities of a good language teacher
- Methods and approaches (Grammar translation, Direct, bilingual, communicative, structural, integrated)

B.2 – Language skills
- Listening, Speaking, Reading and Writing skills
- Importance of listening and reading
- Importance of speaking and writing

B.3 – Perspective and role of grammar in language learning
- Parts of Speech
- Punctuation marks
- Framing questions
- Vocabulary and word formation (synonym and antonym, homophones, one word substitution, changing word category).

B.4 – Challenges of teaching language
- Planning and implementation (Teaching of Prose, grammar, composition, poetry)

B.5 – Evaluation
- learning enhancement programme
- Active learning Methodology
- CCE
- Remedial teaching

B.6 – Teaching learning materials
- Textbook preparing exercises based on the textbooks- objective type
- Multimedia materials (charts, flash cards, models, news paper cuttings, CD, Radio, Tape recorder)

मुख्य भाषा– संस्कृत (Sanskrit)	60 प्रश्न

(अ) भाषायी समझ / अवबोध –	45 प्रश्न

1. व्याकरण
   - (अ) शब्द रूप – राम, कवि, भानु, लता, पितृ, नदी, वधू, मातृ, फल, वारि, आत्मन्। सर्व, तद, एतद्, यत्, इदम्, अस्मद्, युष्मद्।
   - (ब) धातु रूप – लट्, लृट्, लोट्, लङ्, एवं विधिलिङ् (पांचों लकार) (का) परस्मैपद (ख) आत्मनेपद
   - (स) सन्धि – संधि और उसके प्रकार – स्वर संधि, व्यजंन संधि, विसर्ग संधि एवं उनके भेद, संधि विच्छेद एवं संधि युक्त पद बनाना।
   - (द) समास – समास की परिभाषा, भेद, समास विग्रह, सामासिक पद।
   - (इ) प्रत्यय – कृत प्रत्यय– (क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तव्यत्, अनीयर्)।
     तद्धित प्रत्यय– अण्, ढक्, मतुप्, इत्, तल्, ठक्।
     स्त्री प्रत्यय– टाप्, ङीप।
   - (फ) अव्यय – पुनः, अपि, पुरा, अधुना, ह्यः, श्वः, अद्य, अधुना, कुत्र, यत्र, तत्र, सर्वत्र, यदा, कदा, सर्वदा, उपरि, यथा, तथा, अपि।
2. (क) वेद, वेदांग, पुराण, उपनिषद् का सामान्य परिचय।
   (ख) रामायण एवं महाभारत का सामान्य परिचय।
3. संस्कृत के प्रतिनिधि काव्यों का परिचय – (भास, कालिदास, शूद्रक एवं भवभूति की कृतियों का परिचयात्मक ज्ञान)
4. कारक एवं विभक्तियों का सामान्य परिचय।
5. संस्कृत पाठ्यांश पर आधारित विविध प्रकार के प्रश्न – एक वाक्य में उत्तर, पूर्ण वाक्य में उत्तर, विशेषण–विशेष्य अन्विति / पर्याय / विलोम शब्द।

(ब) भाषायी विकास हेतु निर्धारित शिक्षाशास्त्र –	15 प्रश्न

- भाषा सीखना और ग्रहणशीलता।
- भाषा शिक्षण के सिद्धान्त।
- भाषा शिक्षण में सुनने, बोलने की भूमिका, भाषा के कार्य, बच्चे भाषा का प्रयोग कैसे करते हैं।
- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति अन्तर्गत भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका।
- भाषा शिक्षण में विभिन्न स्तरों के बच्चों की चुनौतियॉ, कठिनाइयां, त्रुटियां एवं क्रमबद्धता।
- भाषा के चारों कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) का मूल्यांकन
- कक्षा में शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठ्यपुस्तक, दूरसंचार (दृश्य एवं श्रव्य) सामग्री, बहुकक्षा स्रोत।
- मूल्यांकन, निदानात्मक परीक्षण एवं उपचारात्मक शिक्षण।

मुख्य भाषा– उर्दू (Urdu)	60 प्रश्न

भाषायी समझ	45 सवालात

1. गद्य (नसर) की विधाएं –
    - मकतूब निगारी, दास्तान, अदबी तारीख़, मुख्तसिर अफ़सानें, रिपोरताज़, इन्शाईया, तन्जो–मज़ाह, सफ़र नामा, ख़ाका।
    - मुआविन मुताला– यादें, आपबीती मज़मून, कहावतें
2. पद्य (नज़्में)
    - गजलें (मसनवी, कसीदा, मरसिया नज़्में रुबाई
    - तवील नज़्में– अली सरदार जाफरी की वक़्त का तराना
3. व्याकरण (क़वायद)–
    - हरूफ शमसी, हरूफ कमरी, हरकात व सकनात,
    - रमूज़ औकाफ़, साबक़े लाहक़े, सिफत, तज़ाद, तजाहुले आरिफ़ाना, हरफ़े अतफ़ मजाज मुरसिल, कहावतें, मुहावरें, वाक्य में प्रयोग, तजनीस (ताम, जायद नाक़िस) कनाया, लफ़ व नशर।
4. गैर दरसी इकतिबास (अपठित) की तशरीह व उस पर आधारित प्रश्न
5. उर्दू साहित्य का इतिहास (गद्य व पद्य का विकास)

भाषायी विकास हेतु निर्धारित शिक्षाशास्त्र व पढ़ाने के तरीकों पर प्रश्न	15 सवालात

- उर्दू शिक्षण की आवश्यकता व उद्देश्य
- अच्छे उर्दू शिक्षक की विशेषताएं
- भाषा शिक्षण के सिद्धांत
- तरीक़ा–ए–तदरीस, नस्र व नज़्म की विभिन्न विधाओं का (असनाफ़) शिक्षण
- उर्दू सीखना और समझना (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना चारों महारतें
- उर्दू भाषा की चारों महारतों का मूल्यांकन
- भाषा शिक्षण में सुनने और बोलने की अहमियत, बच्चों के ज़रिए उर्दू भाषा का प्रयोग
- ज़बानी और तहरीरी (लेखन) में कवायद का इस्तेमाल
- क्लासरूम में मुख़्तलिफ तालीमी इस्तेदाद वाले बच्चों को ज़बान सिखाने में आने वाली मुशकिलात दूर करके ग़लतियों को चुनौती की तरह लेकर पढ़ना सिखाना
- क्लास में किताब़, अमदादी अशिया, मल्टीमीडिया मटेरियल समई–बसरी आलात व विभिन्न स्तर व कक्षा के बच्चों को पढ़ाना
- ख़ुसीसी तदरीस (विशेष/पुनः शिक्षण)
- कवायद (ग्रामर):– इस्म, ज़मीर, ज़मीर, की किस्में, फेअल फेअल की अकसाम, जिंस, ज़माना जुमला सिफत, तज़ाद, साविक़ा, लाहेक़ा, वाहिद, जमा मुज़क्कर, मोअन्नस, मुहावरे बगैरा। लाज़िम मुतअददी, मारूफ़ मजहूल ग़ज़ल, क़तआ,रूबाई, मसनवी, नज़्म, तशबीह, तलमीह, इस्तिआरा, सनअते तज़ाद मतला, मक़ता, रदीफ़, क़ाफ़िया वगैरा।
- गैर दर्सी इक्तिबास
- दरख़्वास्त और ख़ुतूत नवीसी
- मज़मून नवीसी।